अपनी यूथ एकेडमी से मोटी कमाई भी कर रहा रियल मैड्रिड , आर्टेगा को रिकार्ड कीमत पर बेचा

मैड्रिड

स्पेन का दिग्गज फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड अपनी यूथ एकेडमी से भविष्य के स्टार खिलाड़ी तैयार करने के साथ ही भारी भरकम मुनाफा भी कमा रहा है। रियल ने हाल ही में इस एकेडमी से निकले 19 साल के सी-टीम के खिलाड़ी जैकोबो आर्टेगा को आरसी स्ट्रासबर्ग को रिकार्ड कीमत पर बेचा है। इस सौदे से रियल को काफी लाभ हुआ है जिससे वह अपनी टीम को और बेहतर बना सकता है।

सोम को हुई सोदे में स्ट्रासबर्ग ने आर्टेगा को 10 मिलियन यूरो (लगभग 11.6 मिलियन अमेरिकी डालर) में बेचा है। यह रियल मैड्रिड के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी की अब तक की सबसे महंगी बिक्री है जिसने कभी क्लब की फर्स्ट टीम के लिए नहीं खेला। गौरतलब है कि पिछले सत्र में यूथ लीग में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल दागने वाले आर्टेगा, 2018 में 12 साल की उम्र में क्लब में शामिल हुए थे और आठ सत्र तक यूथ एकेडमी में बने रहे थे। क्लब की वेबसाइट ने इस ट्रांसफर की पुष्टि करते हुए कहा कि, रियल मैड्रिड सीएफ और आरसी स्ट्रासबर्ग अलसैस हमारे खिलाड़ी जैकोबो आर्टेगा के ट्रांसफर के लिए तैया हैं। वह 2018 में 12 साल की उम्र में रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे और आठ सत्र से हमारी यूथ एकेडमी का हिस्सा रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार आर्टेगा ने स्ट्रासबर्ग के साथ पांच साल का अनुबंध किया है। यह गौरतलब है कि स्ट्रासबर्ग का स्वामित्व ब्लूको के पास है, जो प्रीमियर लीग टीम चेल्सी का भी मालिक है। आर्टेगा अकेले नहीं हैं जिन्होंने रियल मैड्रिड ने बेचकर पैसा कमाया है। क्लब ने इससे पहले अपनी यूथ टीम के अन्य खिलाड़ियों, जैसे गोंजालो गार्सिया और सीजर पालासियोस की बिक्री से भी तकरीबन लगभग 50 मिलियन यूरो कमाए थे। इसके अतिरिक्त, रियल मैड्रिड ने विक्टर मुनोज के ओसासुना से लिवरपूल में जाने पर सेल-आन राइट्स के तहत लगभग 20 मिलियन यूरो का अतिरिक्त लाभ भी हासिल किया। इन सभी डील्स को मिलाकर दिखाया जाये, क्लब ने इस ट्रांसफर विंडो में अपनी यूथ एकेडमी से कफी लाभ कमाया है। इससे साफ है कि मैड्रिड सिर्फ नए स्टार खिलाड़ियों को खरीदने में ही माहिर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं को विकसित करने और उन्हें मूल्यवान संपत्तियों में बदलने में भी उसका जवाब नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएल 2026: सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नंबर एक पर रहते हुए प्लेआफ के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। यहां जारी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 के तीसरे सत्र में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नंबर एक पर रहते हुए प्लेआफ के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं अन्य कोई भी टीम प्लेआफ में नहीं पहुंच पायी है। वहीं कुछ टीमें अंतिम चार में जगह बनाने की दौड़ में हैं। इस सत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन सेंट्रल दिल्ली किंग्स का रहा है। किंग्स ने अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने अब तक खेले गए 9 मैचों में से 8 में जीत हासिल की है और वह 16 अंक लेकर अंक तालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। वहीं, कुछ टीमों के लिए यह सीजन अच्छा नहीं रहा है। सेंट्रल दिल्ली किंग्स से हारने के बाद ईस्ट दिल्ली राइडर्स के प्लेआफ्स में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। गत वर्ष की विजेता राइडर्स इस बार 8 में से केवल एक मैच ही जीती है और उसके केवल 3 अंक हैं। इसके अलावा न्यू दिल्ली टाइगर्स भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है, वह इस सीजन में केवल एक मैच जीती है और उनके खाते में केवल 2 अंक हैं। इन दोनों टीमों के अभी दो-दो मुकाबले बाकी हैं, लेकिन इनका परिणाम इनकी प्लेआफ की संभावनाओं पर कोई असर नहीं डालेगा। अंक तालिका में सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बाद, पुरानी दिल्ली 6 टीम दूसरे स्थान पर है, जिसने 9 मैचों में 5 जीत और एक मैच का परिणाम नहीं आया। जिससे उसके 11 अंक हैं। तीसरे स्थान पर आउटर दिल्ली वारियर्स है, जिनके भी 11 अंक हैं, हालांकि उन्होंने पुरानी दिल्ली से एक मैच कम खेला है। इन दोनों टीमों के भी प्लेआफ्स के लिए क्वालीफाई करने की काफी संभावनाएं हैं। चौथे स्थान पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज टीम है, जिसने 8 में से 4 मैच जीते हैं और एक मैच का परिणाम नहीं आया। जिससे उनके खाते में 9 अंक हैं। पांचवें और छठे स्थान पर क्रमश: नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर और वेस्ट दिल्ली लायंस टीमें हैं, जिनके पास 7-7 अंक हैं। इन टीमों के लिए प्लेआफ में जगह बनाना अभी भी संभव है, लेकिन उन्हें अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे।

जिला क्रिकेट संघ ने अंडर-14 और 19 ट्रायल का कार्यक्रम जारी किया

रायगढ़। बीसीसीआई के निर्देश एवं छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की अनुमति के बाद जिला क्रिकेट संघ रायगढ़ ने नए क्रिकेट सत्र के लिए अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग के ट्रायल का कार्यक्रम जारी कर दिया है। दोनों वर्गों के ट्रायल आईटीआई कालेज ग्राउंड, बोईरदादर रोड में आयोजित होंगे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचंद्र शर्मा ने बताया कि ट्रायल के लिए पंकज बोहिदार, अभिषेक गुप्ता और जफर उल्लाह सिद्दीकी को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयनकर्ता खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतरिम टीम का चयन करेंगे। ट्रायल से पहले प्रतिदिन शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक जिला क्रिकेट संघ कार्यालय में खिलाड़ियों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए रोहित नामदेव के मोबाइल नंबर 9302982991 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को पंजीयन के लिए दो नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो, पिछले छह वर्षों की मूल शैक्षणिक अंकसूची, डिजिटल एवं मैनुअल जन्म प्रमाणपत्र, नवीनतम फोटोयुक्त आधार कार्ड, मूल पैन कार्ड तथा बैंक पासबुक अथवा कैंसिल चेक प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

हरभजन से प्रेरित होकर आफ स्पिनर बना : अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन का कहना है कि वह शुरुआत में बल्लेबाजी करते थे पर दिग्गज आफ स्पिनर हरभजन सिंह से प्रेरित होकर स्पिन गेंदबाजी करने लगे। अश्विन के अनुसार वह हरभजन के इतने बड़े प्रशंसक थे कि उनके एक्शन की भी नकल करते थे। अश्विन ने कहा कि वह जूनियर क्रिकेट में खेलते समय पारी की शुरुआत करते थे पर जब साल 2001 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ बार्डर-गावस्कर ट्राफी में उन्होंने हरभजन सिंह की गेंदबाजी देखी तो वह इतने प्रभावित हुए कि स्पिनर बन गये। हरभजन ने उस सीरीज में अविश्वसनीय गेंदबाजी करते हुए टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, और यहीं से अश्विन के मन में आफ-स्पिनर बनने का जुनून पैदा हुआ। उस समय हरभजन की फिरकी से आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों सहम गये थे। अश्विन ने कहा हक वह शुरुआती दिनों में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में अंडर-19 क्रिकेट में खेलते थे। उस समय वह बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देते थे और कम गेंदबाजी करते थे पर जब भी मैं गेंदबाजी करते तो हरभजन की तरह ही करने का प्रयास करते।

गाले टेस्ट में भारत ने श्रीलंका को 165 रनों से हराया, सुथार के 10 विकेट और पडिक्कल के 211 रन

गाले (श्रीलंका)

भारतीय टीम ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने मेजबान टीम के सामने 372 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी 206 रनों पर सिमट गई। भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 211 रन बनाकर प्लेअर आफ दी मैच बने।

भारतीय टीम की इस जीत में स्पिन आलराउंडर मानव सुथार और बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का अहम योगदान रहा। सुथार ने जहां पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल करते हुए 10 श्रीलंकाई बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, वहीं पडिक्कल ने अपने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 रन और दूसरी पारी में 44 रनों की पारी खेली।

मुकाबले में भारत ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त मिली। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह श्रीलंका को 372 रनों का लक्ष्य मिला था। जवाब में मेजबान टीम 206 रन ही बना पाई।

इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

पांचवें दिन श्रीलंका ने 122 रन पर गंवाए छह विकेट

मैच के पांचवें और आखिरी दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 84/4 के स्कोर से आगे शुरू की। कप्तान धनंजय डी सिल्वा और सोनल दिनुषा ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। दोनों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए और टीम का स्कोर 140 रन के पार पहुंचाया।

इस साझेदारी को रवींद्र जडेजा ने तोड़ा। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा को मानव सुथार के हाथों कैच कराया। धनंजय ने 151 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 59 रन बनाए। श्रीलंका का छठा विकेट 156 रन के स्कोर पर गिरा। निरोशन डिकवेला 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने कुछ और रन जोड़े, लेकिन 199 के स्कोर पर एक के बाद एक तीन विकेट गंवा दिए। सोनल दिनुषा 128 गेंदों पर 84 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद प्रभाथ जयसूर्या और लाहिरू कुमारा खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। श्रीलंका का आखिरी विकेट केशरा नुवंता के रूप में गिरा, जिन्होंने 20 रन बनाए।

भारत ने दूसरी पारी में बनाए 193 रनभारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए थे। इस पारी में भारत की ओर से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रन का योगदान दिया।

श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने चार विकेट लिए, जबकि प्रभाथ जयसूर्या ने तीन, लाहिरू कुमारा ने दो और केशरा नुवंथा ने एक विकेट हासिल किया।

श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमटीइससे पहले श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। सोनल दिनुषा ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए निरोशन डिकवेला के साथ 146 रन की साझेदारी की। सोनल ने 100 रन बनाए, जबकि डिकवेला ने 80 रन का योगदान दिया। इनके अलावा कोई अन्य श्रीलंकाई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। भारत की ओर से मानव सुथार ने चार विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को तीन, जबकि मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। भारत की पहली पारी और पडिक्कल का शतकटास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 462 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 230 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 167 रनों की पारी खेली थी। केएल राहुल ने 175 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने 51 रनों का योगदान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने 39, यशस्वी जायसवाल ने 32 और मानव सुथार ने 24 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने चार विकेट लिए। केशरा नुवंथा ने तीन और असिथा फर्नांडो ने दो विकेट हासिल किए।

सचिन के नाम है सबसे अधिक टेस्ट स्थलों पर खेलने का रिकार्ड

मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम कई रिकार्ड है पर इसमें एक रिकार्ड सबसे अलग है। सचिन अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंनं अपनी करियर में 59 अलग-अलग मैदानों पर मैच खेले हैं। सचिन को संन्यास लिए एक दशक से अधिक हो गया पर कोई भी बल्लेबाज उनके इस रिकार्ड के करीब नहीं पहुंच पाया है। सचिन ने अपने 24 साल के लंबे टेस्ट करियर में कुल 59 विभिन्न मैदानों पर मुकाबले खेले, जो दुनिया के किसी भी अन्य खिलाड़ी से कहीं ज्यादा है। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट का 140 साल से भी अधिक पुराना इतिहास रहा है, जिसमें कई महान खिलाड़ियों ने दशकों तक क्रिकेट खेला है पर उनके नाम भी ये रिकार्ड नहीं है।

सचिन का यह कीर्तिमान उनकी अद्वितीय खेल भावना और लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर बने रहने का प्रमाण है। अपने लगभग 24 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने दुनिया के लगभग हर बड़े क्रिकेट खेलने वाले देश में अपने बल्ले का कमाल दिखाया है, जिसने उन्हें यह अनोखा मुकाम हासिल करने में मदद की। एक खिलाड़ी के लिए इतने लंबे समय तक फिटनेस और फार्म बरकरार रखना और इतने व्यापक स्तर पर अलग-अलग हालातों में खेलना एक बड़ी चुनौती होती है, जिसे सचिन ने पूरा किया। यही कारण है कि सचिन का यह रिकार्ड शायद ही कोई तोड़ पाये।

इस खास सूची में सचिन के बाद वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल का नाम आता है, जिन्होंने 58 अलग-अलग वेन्यू पर टेस्ट मैच खेले हैं, यानी सचिन से मात्र एक स्थल पीछे वह रहे। वहीं भारत के राहुल द्रविड़ ने 55 विभिन्न मैदानों पर खेलकर तीसरे स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड के जो रूट 52 वेन्यू के साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इसके अलाव भारत के पूर्व दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण और महान स्पिनर अनिल कुंबले ने भी 51-51 अलग-अलग मैदानों पर टेस्ट खेले हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्क बाउचर ने 51 स्थलों पर खेला हैं। 50 से अधिक वेन्यू पर खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, दक्षिण अफ्रीका के महान आलराउंडर जैक्स कैलिस और श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने शामिल हैं, जिन्होंने 50-50 मैदानों पर टेस्ट मुकाबले खेले हैं। यह रिकार्ड केवल आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सचिन के वैश्विक प्रभाव और खेल के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

भारतीय महिला हाकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा हराया

एमस्टेलवीन। भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच हाकी विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की है। इससे पूल डी में भारतीय टीम ने अपनी स्थिति भी मजबूत की है। दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ इस में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए विरोधी टीम पर दबाव बना दिया। वहीं इससे पहले के मैच में भारती टीम का मुकाबला चीन से 2-2 से बराकर रहा थ। दो मैचों में उसके कुल चार अंक हो गए हैं और गोल अंतर के आधार पर वह पूल में शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब भारतीय टीम का पूल का अपन अंतिम मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होगा। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टीम पर मैच की शुरुआती मिनटों से ही अपने हमले शुरु कर दिये। इसका लाभ भी उसे मिला सातवें मिनट में ही भारत को अपना पहला पेनाल्टी कार्नर मिला पर दीपिका उसे गोल में नहीं बदल पायी। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद और तेजी दिखायी इससे 11वें मिनट में साक्षी राणा के पास पर सुनेलिता टोप्पो ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

दोनों हाथों से स्पिन का कमाल, यूपी के विजय यादव ने बनाई अलग पहचान

लखनऊ

यूपी टी20 लीग सीजन-4 में गत चैंपियन काशी रुद्राक्ष की ओर से खेल रहे 24 वर्षीय विजय यादव अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली से बल्लेबाजों को चौंका रहे हैं। एक ही ओवर में दोनों हाथों से आसानी से स्पिन गेंदबाजी कराने की क्षमता रखने वाले विजय यादव ने हाल ही में अपनी पुरानी टीम गौर गोरखपुर लायंस के खिलाफ 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर काशी रुद्राक्ष को एक यादगार जीत दिलाई।

साल 2024 में लीग में पर्दापण करने वाले गोरखपुर के इस युवा स्पिनर को यूपी टी20 लीग 2026 के आक्शन में काशी रुद्राक्ष ने 5.2 लाख रूपये में अपनी टीम में शामिल किया था।

गोरखपुर के रहने वाले विजय के पिता पुलिस विभाग में सब-इंस्पेक्टर हैं और माता गृहणी हैं। अपने शुरुआती दिनों और दोनों हाथों से गेंदबाजी के विचार पर बात करते हुए विजय यादव ने बताया, मैंने 2012 में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। भारत की 2011 विश्व कप जीत ने मुझे बहुत प्रेरित किया कि मुझे भी देश के लिए कुछ बड़ा करना है। शुरुआत से ही मेरा बायां हाथ थोड़ा काम करता था। अमूमन दाएं हाथ के बल्लेबाज दाएं हाथ के गेंदबाजों पर ज्यादा हावी होते हैं, इसलिए मुझे उन्हें गेंदबाजी करने में थोड़ी दिक्कत आती थी। इसके बाद मैंने अपने बाएं हाथ पर काम करना शुरू किया और कड़ी मेहनत के साथ इस पर नियंत्रण हासिल किया।

दोनों हाथों से गेंदबाजी के शारीरिक तनाव पर विजय ने कहा, लोगों को टीवी पर यह बहुत आसान लगता है, लेकिन दोनों हाथों से एक जैसी सटीकता से गेंदबाजी करना बेहद कठिन है। इसके लिए मुझे दोनों हाथों से अलग-अलग दोगुनी मेहनत और प्रैक्टिस करनी पड़ती है।

निचले क्रम में आकर लंबे-लंबे छक्के लगाने वाले विजय यादव दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने कहा कि विराट कोहली मेरे आदर्श हैं। क्रिकेट को लेकर उनका जुनून, समर्पण, प्रेरणा और आक्रामकता देखना मुझे बहुत पसंद है। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

यूपी टी20 लीग के इस बड़े मंच ने विजय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। अपनी क्षमता के दम पर वे पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शीर्ष फ्रेंचाइजियों की नजरों में आ चुके हैं।

विजय ने बताया कि यूपी टी20 लीग एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। मुझे यहां अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिला है। मैं मुंबई इंडियंस के लिए ट्रायल दे चुका हूं और पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद ने भी मुझे ट्रायल के लिए बुलाया था। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की अंडर-19 और अंडर-23 टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके विजय यादव का लक्ष्य अब यूपी टी20 लीग में लगातार शानदार प्रदर्शन कर जल्द से जल्द इंडियन प्रीमियर लीग और भारतीय राष्ट्रीय टीम का टिकट हासिल करना है।

फार्मूला ई भारत में वापसी को उत्सुक, शहरों को इच्छाशक्ति दिखानी होगी : अल्बर्टो लोंगो

मुम्बई

भारत में एक बार फिर रेसिंग के शौकीनों को फार्मूला ई के मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। फार्मूला ई के सह-संस्थापक अल्बर्टो लोंगो ने कहा है कि आल-इलेक्ट्रिक विश्व चैंपियनशिप भारत में आयोजित की जा सकती है पर इसके लिए किसी भारतीय शहर को मेजबानी के लिए दावेदारी करनी होगी। गौरतलब है कि फार्मूला ई रेस की हैदराबाद ई-प्री के साथ भारत में शुरुआत हुई थी पर तेलंगाना में सरकार बदलने के साथ ही इसे दी गयी इजाजत रद्द कर दी गयी थी। लोंगो ने जोर दिया कि फार्मूला ई अब भी भारत में काफी संभावनां देखती है और अवसरों की तलाश में है।

गौरतब है कि भारत ने हैदराबाद में ई-प्री के साथ फार्मूला ई के वैश्विक कैलेंडर पर अपनी शुरुआत की थी, जिसने देश में मोटरस्पोर्ट्स के एक नए युग की शुरुआत हुई थी। यह रेस वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती पहचान और इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक थी।

हालांकि, तेलंगाना में सरकार में आये बदलाव के बाद इस रेस को भी बंद कर दिया गया था। वहीं लोंगो ने इस स्थिति पर अपनी निराशा व्यक्त की, लेकिन भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हम भारत वापस पहुंचना चाहेंगे, लेकिन दुर्भाग्य से अभी इसको लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं चल रही है। फार्मूला ई के लिए यह इतना महत्वपूर्ण बाजार है कि हम निश्चित रूप से वहां वापस जाना चाहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वापसी के लिए फार्मूला ई प्रतियोगिता की मेजबानी करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यह स्पष्ट संकेत है कि चैंपियनशिप सक्रिय रूप से भारत में एक नए मेजबान की तलाश में है जो आवश्यक समर्थन और बुनियादी ढांचा प्रदान कर सके।

लोंगो ने इस बात पर जोर दिया कि फार्मूला ई भारत में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया, हम आज एक साथ दुनिया भर के 80 से अधिक शहरों से बातचीत कर रहे हैं पर भारत से कोई भी हमसे संपर्क नहीं कर रहा है, और यही वह चीज है जिसे बदलने की जरूरत है। यह सीधा आह्वान है कि भारतीय शहरों या संबंधित हितधारकों को पहल करनी होगी और फार्मूला ई के साथ बातचीत शुरू करनी होगी ताकि इस रोमांचक खेल को फिर से भारतीय धरती पर लाया जा सके।

नेशनल चैंपियंस कप 2026 में शाहीन के सात विकेट से पाकिस्तान गोल्ड को मिली जीत

मुल्तान। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की आक्रामक गेंदबाजी से नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड ने पाकिस्तान ग्रीन्स को सात विकेट से हरा दिया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के लिए शाहीन को प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड भी दिया गया। शाहीन ने इस मैच में हैट्रिक के साथ ही कुल सात विकेट लिए। ग्रीन्स की पारी के 38वें ओवर में शाहीन ने तीन गेंदों पर मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनैन को आउट कर मैच पलट दिया। ओवर की पहली ही गेंद पर मुमताज को से एलबीडब्ल्यू आउट करने के बाद, उन्होंने मिर्जा को कैच कराया। अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए, शाहीन ने हसनैन को एक जबरदस्त यार्कर फेंकी जो सीधे उनके लेग स्टंप से जा टकराई, जिससे ग्रीन्स की बल्लेबाजी की कमर टूट गई। शाहीन ने अपने 8.3 ओवर में सिर्फ 36 रन देकर 7 विकेट लिए, जो फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में एक बड़ी उपलब्धि है। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन ने विपक्षी टीम पर जबरदस्त दबाव बनाया। पाकिस्तान ग्रीन्स 37.3 ओवर में मात्र 239 रन पर सिमट गयी। इससे पहले, टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने वाली पाकिस्तान गोल्ड ने शामिल हुसैन और साद खान के शानदार शतकों की बदौलत 50 ओवर में 340 रन बनाये थे। साद खान ने 102 गेंदों में तेज-तर्रार 112 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनके अलावा, शामिल हुसैन ने भी 93 गेंदों पर 111 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उतने ही चौके और छक्के जड़े।